

## ॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। ग॒णाना॑म्। त्वा। ग॒णप॑तिमि॒ति ग॒ण-प॑तिम्। ह॒वाम॑हे।  
 क॒विम्। क॒वीना॑म्। उ॒पम॑श्रव॒स्तम॑मित्यु॒पम॑श्रवः-त॒मम्॥  
 ज्ये॒ष्ठरा॑जमि॒ति ज्ये॒ष्ठ-रा॑जम्। ब्र॒ह्म॒णाम्। ब्र॒ह्म॒णः। प॒ते।  
 ए॒ति। नः। शृ॒ण्वन्। उ॒तिभि॑रित्यू॒ति-भिः। सी॒द। सा॒दन॑म्॥  
 नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो इति॑। ते। इ॒षवे॑। नमः॑॥  
 नमः॑। ते। अ॒स्तु। ध॒न्व॒ने। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-भ्या॑म्।  
 उ॒त। ते। नमः॑॥ या। ते। इ॒षुः। शि॒वत॑मेति॒ शि॒व-त॑मा।  
 शि॒वम्। ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥ शि॒वा। श॒र॒व्या॑। या। त॒व।  
 तया॑। नः। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः।  
 अघो॑रा। अ॒पाप॑काशिनीत्य॒पाप॑-काशिनी॥ तया॑। नः। त॒नुवा॑।  
 श॒न्त॑मयेति॒ शम्-त॑मया। गि॒रि॒श॒न्तेति॑ गि॒रि॒-श॒न्त॑। अ॒भीति॑।  
 चा॒क॒शी॒हि॑॥ या॒म्। इ॒षुम्। गि॒रि॒श॒न्तेति॑ गि॒रि॒-श॒न्त॑। ह॒स्ते॑।  
 (१)

बि॒भर्षि॑। अ॒स्त॒वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गि॒रि॒-त्र॑। ता॒म्।  
 कुरु॑। मा। हि॒॒सीः। पु॒रुष॑म्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा।  
 त्वा। गि॒रि॒श॑। अ॒च्छा॑। व॒दा॒म॒सि॑॥ यथा॑। नः। स॒र्वम्॑।  
 इत्। जग॑त्। अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॑ इति॒ सु-मना॑ः। अ॒स॒त्॥  
 अधी॑ति। अ॒वो॒च॒त्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि-व॒क्ता। प्र॒थ॒मः। दै॒व्यः।  
 भि॒षक्॥ अ॒हीन्। च॒। स॒र्वान्। ज॒म्भ॒यन्। स॒र्वाः। च॒।  
 या॒तु॒धा॒न्य॑ इति॒ या॒तु॒-धा॒न्यः॥ अ॒सौ। यः। ता॒म्रः। अ॒रु॒णः।

उ॒त। ब॒भ्रुः। सु॒म॒ङ्गल॒ इति॑ सु॒-म॒ङ्गलः॑॥ ये। च। इ॒माम्।  
रु॒द्राः। अ॒भितः॑। दि॒क्षु। (२)

श्रि॒ताः। स॒ह॒स्र॒श इति॑ सह॒स्र-शः॑। अवेति॑। ए॒षाम्। हे॒डः।  
ई॒म॒हे॥ असौ। यः। अ॒व॒स॒र्प॒तीत्य॑व-स॒र्प॒ति। नील॑ग्री॒व इति॑  
नील॑-ग्री॒वः। वि॒लो॒हित॒ इति॑ वि-लो॒हितः॑॥ उ॒त। ए॒नम्। गो॒पा  
इति॑ गो-पाः। अ॒दृ॒शन्। अ॒दृ॒शन्। उ॒द॒हा॒र्य इत्यु॑द-हा॒र्यः॑॥ उ॒त।  
ए॒नम्। वि॒श्वः॑। भू॒तानि॑। सः। दृ॒ष्टः। मृ॒ड॒या॒ति। नः॑॥ नमः॑।  
अ॒स्तु। नील॑ग्री॒वायेति॑ नील॑-ग्री॒वाय॑। स॒ह॒स्रा॒क्षाय॑ेति॑ सह॒स्र-  
अ॒क्षाय॑। मी॒ढुषे॑॥ अथो॒ इति॑। ये। अ॒स्य। स॒त्वा॒नः। अ॒हम्।  
तेभ्यः॑। अ॒क॒र॒म्। नमः॑॥ प्रेति॑। मु॒ञ्च। ध॒न्व॒नः। त्वम्। उ॒भयोः॑।  
आ॒र्त्त्रि॒योः। ज्याम्॑॥ याः। च। ते। ह॒स्तैः। इ॒ष॒वः। (३)

परेति॑। ताः। भ॒ग॒व इति॑ भग-वः। व॒प॥ अ॒व॒त॒त्येत्य॑व-त॒त्य॑।  
ध॒नुः। त्वम्। स॒ह॒स्रा॒क्षेति॑ सह॒स्र-अ॒क्ष॑। श॒तेषु॑ध॒ इति॑ श॒त-  
इ॒षुधे॑॥ नि॒शी॒र्येति॑ नि-शी॒र्य॑। श॒ल्याना॑म्। मु॒खा॑। शि॒वः। नः॑।  
सु॒म॒ना इति॑ सु-म॒नाः। भ॒व॥ वि॒ज्य॑मि॒ति॑ वि-ज्य॑म्। ध॒नुः।  
क॒प॒र्दिनः॑। वि॒श॒ल्य॑ इति॑ वि-श॒ल्यः॑। बा॒ण॒वा॒नि॒ति॑ बा॒ण॒वा॒न्।  
उ॒त॥ अ॒नै॒शन्। अ॒स्य। इ॒ष॒वः। आ॒भुः। अ॒स्य। नि॒ष॒ङ्ग॒थिः॑॥  
या। ते। हे॒तिः। मी॒ढुष्ट॑मेति॑ मी॒ढुः-त॒म्। ह॒स्तैः। ब॒भू॒व॑। ते।  
ध॒नुः॥ तया॑। अ॒स्मान्। वि॒श्व॒तः। त्वम्। अ॒य॒क्ष्म॒या॑। प॒री॒ति॑।  
भु॒ज॑॥ नमः॑। ते। अ॒स्तु। आ॒यु॑धा॒य। अ॒ना॒त॒ताये॒त्यना॑-त॒ताय॑।

धृष्णवे॥ उ॒भाभ्या॑म्। उ॒त। ते। नमः॑। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-  
भ्या॑म्। तव॑। धन्व॑ने॥ प॒रीति॑। ते। धन्व॑नः। हे॒तिः। अ॒स्मान्।  
वृ॒ण॒क्तु। वि॒श्वतः॑॥ अथो॒ इति॑। यः। इ॒षुधि॑रिती॒षु-धिः। तव॑।  
आ॒रे। अ॒स्मत्। नी॒ति। धे॒हि। तम्॥(४)

नमः॑। हि॒र॑ण्यबा॒हव॒ इति॑ हि॒र॑ण्य-बा॒हवे॒। से॒ना॒न्य॑ इति॑  
से॒ना॒न्यै॑। \*\*दि॒शाम्। च॒। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। वृ॒क्षेभ्यः॑।  
ह॒रि॑केशेभ्य॒ इति॑ ह॒रि॑-के॒शेभ्यः॑। प॒शूना॑म्। प॒तये॑। नमः॑।  
नमः॑। स॒स्मिञ्ज॑राय। त्वि॒षी॑म॒त॒ इति॑ त्वि॒षी॑-म॒ते। प॒थी॑नाम्।  
प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। ब॒भ्रु॑शाय॒। वि॒व्या॒धिन् इति॑ वि॒व्या॒धिने॑।  
अ॒न्ना॑नाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। ह॒रि॑केशायेति॑ ह॒रि॑-के॒शाय॑।  
उ॒प॒वी॒तिन् इत्यु॑प-वी॒तिने॑। पु॒ष्टा॑नाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑।  
भु॒व॒स्य॑। हे॒त्यै। जग॑ताम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। रु॒द्राय॑।  
आ॒त॒ता॒विन् इत्या॑-त॒ता॒विने॑। क्षे॒त्रा॑णाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑।  
सू॒ताय॑। अ॒ह॑न्त्याय। व॒ना॑नाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। (५)

रोहि॑ताय। स्थ॒प॒तये॑। वृ॒क्षा॑णाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। म॒न्त्रि॑णै॒।  
वा॒णि॒जाय॑। क॒क्षा॑णाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। भु॒व॒न्त॒र्यै॑।  
वा॒रि॒व॒स्कृ॒तायेति॑ वा॒रि॒वः-कृ॒ताय॑। ओष॑धीनाम्। प॒तये॑।  
नमः॑। नमः॑। उ॒च्चैर्घो॑षायेत्युच्चैः-घो॒षाय॑। आ॒क्र॒न्द॒य॒त॒ इत्या॑-  
क्र॒न्द॒य॒ते। प॒त्ती॑नाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। कृ॒त्स्न॒वी॒तायेति॑  
कृ॒त्स्न॒-वी॒ताय॑। धा॒व॒ते। स॒त्वंना॑म्। प॒तये॑। नमः॑॥(६)

नमः॑। स॒ह॑मा॒नाय॑। नि॒व्या॒धिन् इति॑ नि॒व्या॒धिने॑।

आ॒व्या॒धिनी॑ना॒मित्या॑-व्या॒धिनी॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।  
 क॒कु॒भाय॑। नि॒ष॒ङ्गिण॑ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। स्ते॒नाना॑म्। पत॑ये।  
 नमः॑। नमः॑। नि॒ष॒ङ्गिण॑ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। इ॒षु॒धि॒मत॑ इती॑षु॒धि॒-  
 मते॑। तस्के॑राणाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। व॒श्व॒ते। प॒रि॒व॒श्व॒त॑  
 इति॑ प॒रि॒व॒श्व॒ते। स्ता॒यू॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। नि॒चे॒र॒व॑  
 इति॑ नि-चे॒र॒वे॑। प॒रि॒च॒रा॒येति॑ प॒रि॒च॒रा॒य॑। अ॒र॒ण्या॒नाम्।  
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑। सू॒का॒वि॒भ्य॑ इति॑ सू॒का॒वि॒भ्यः॑।  
 जि॒घा॑स॒द्भ्य॑ इति॑ जि॒घा॑स॒त्-भ्यः॑। मु॒ष्ण॒ताम्। पत॑ये।  
 नमः॑। नमः॑। अ॒सि॒म॒द्भ्य॑ इत्य॑सि॒म॒त्-भ्यः॑। न॒क्त॒म्। च॒र॒द्भ्य॑  
 इति॑ च॒र॒त्-भ्यः॑। प्र॒कृ॒न्ता॒ना॒मिति॑ प्र-कृ॒न्ता॒ना॑म्। पत॑ये। नमः॑।  
 नमः॑। उ॒ष्णी॒षि॒णे॑। गि॒रि॒च॒रा॒येति॑ गि॒रि॒च॒रा॒य॑। कु॒लु॒श्वा॒ना॑म्।  
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑। (७)

इ॒षु॒म॒द्भ्य॑ इती॑षु॒म॒त्-भ्यः॑। ध॒न्वा॒वि॒भ्य॑ इति॑ ध॒न्वा॒वि॒भ्यः॑।  
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒त॒न्वा॒ने॒भ्य॑ इत्या॑-त॒न्वा॒ने॒भ्यः॑।  
 प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्य॑ इति॑ प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑।  
 आ॒य॒च्छ॒द्भ्य॑ इत्या॑य॒च्छ॒त्-भ्यः॑। वि॒सृ॒ज॒द्भ्य॑ इति॑ वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः॑।  
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। अ॒स्य॒द्भ्य॑ इत्य॑स्य॒त्-भ्यः॑। वि॒ध्य॒द्भ्य॑  
 इति॑ वि॒ध्य॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒सी॒ने॒भ्यः॑।  
 श॒या॒ने॒भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। स्व॒प॒द्भ्य॑ इति॑ स्व॒प॒त्-भ्यः॑।  
 जा॒ग्र॒द्भ्य॑ इति॑ जा॒ग्र॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। ति॒ष्ठ॒द्भ्य॑  
 इति॑ ति॒ष्ठ॒त्-भ्यः॑। धा॒व॒द्भ्य॑ इति॑ धा॒व॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑।

नमः। स॒भाभ्यः। स॒भाप॑तिभ्य॒ इति॑ स॒भाप॑ति-भ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। अ॒श्वेभ्यः। अ॒श्वप॑तिभ्य॒ इत्य॑श्वपति-भ्यः। च।  
 वः। नमः॥ (८)

नमः। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य॒ इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः। वि॒विध्य॑न्तीभ्य॒  
 इति॑ वि-विध्य॑न्तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। उ॒ग॒णाभ्यः।  
 तृ॒ह॒तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। गृ॒त्सेभ्यः। गृ॒त्सप॑तिभ्य॒  
 इति॑ गृ॒त्सप॑ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। ब्रा॒तैभ्यः।  
 ब्रा॒तप॑तिभ्य॒ इति॑ ब्रा॒तप॑ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।  
 गु॒णेभ्यः। गु॒णप॑तिभ्य॒ इति॑ गु॒णप॑ति-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। वि॒रू॒पेभ्यः। वि॒श्वरू॑पेभ्य॒ इति॑ वि॒श्व-रू॒पेभ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। म॒ह॒द्भ्य॒ इति॑ म॒हत्-भ्यः। क्षु॒ल्ल॒केभ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। र॒थिभ्य॒ इति॑ र॒थि-भ्यः। अ॒र॒थेभ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। र॒थेभ्यः। (९)

र॒थप॑तिभ्य॒ इति॑ र॒थप॑ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। से॒नाभ्यः।  
 से॒नानि॑भ्य॒ इति॑ से॒नानि॑-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्ष॒त्तृभ्य॒  
 इति॑ क्ष॒त्-भ्यः। स॒ङ्ग॒ही॒तृभ्य॒ इति॑ स॒ङ्ग॒ही॒तृ-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। तक्ष॑भ्य॒ इति॑ तक्ष॑-भ्यः। र॒थका॑रेभ्य॒ इति॑ र॒थ-का॑रेभ्यः।  
 च। वः। नमः। नमः। कु॒ला॒लेभ्यः। क॒र्मरि॑भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। पु॒ञ्जि॒ष्टेभ्यः। नि॒षा॒देभ्यः। च। वः। नमः। नमः। इ॒षुकृ॑द्भ्य॒  
 इती॑षुकृत्-भ्यः। ध॒न्व॒कृ॑द्भ्य॒ इति॑ ध॒न्व॒कृ॑त्-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। मृ॒ग॒युभ्य॒ इति॑ मृ॒ग॒यु-भ्यः। श्व॒निभ्य॒ इति॑ श्व॒नि-भ्यः।

च। वः। नमः। नमः। श्वभ्य इति श्व-भ्यः। श्वपतिभ्य इति  
श्वपति-भ्यः। च। वः। नमः॥(१०)

नमः। भुवाय। च। रुद्राय। च। नमः। शर्वाय। च। पशुपतय  
इति पशु-पतये। च। नमः। नीलग्रीवायेति नील-ग्रीवाय।  
च। शितिकण्ठायेति शिति-कण्ठाय। च। नमः। कपर्दिने।  
च। व्युप्तकेशायेति व्युप्त-केशाय। च। नमः। सहस्राक्षायेति  
सहस्र-अक्षाय। च। शतधन्वन् इति शत-धन्वने। च। नमः।  
गिरिशाय। च। शिपिविष्टायेति शिपि-विष्टाय। च। नमः।  
मीढुष्टमायेति मीढुः-तमाय। च। इषुमत इतीषु-मते। च।  
नमः। ह्रस्वाय। च। वामनाय। च। नमः। बृहते। च। वर्षीयसे।  
च। नमः। वृद्धाय। च। संवृध्वन् इति सम्-वृध्वने। च। (११)

नमः। अग्रियाय। च। प्रथमाय। च। नमः। आशवे। च।  
अजिराय। च। नमः। शीघ्रियाय। च। शीभ्याय। च।  
नमः। ऊर्म्याय। च। अवस्वन्यायेत्यव-स्वन्याय। च। नमः।  
स्रोतस्याय। च। द्वीप्याय। च॥(१२)

नमः। ज्येष्ठाय। च। कनिष्ठाय। च। नमः। पूर्वजायेति  
पूर्व-जाय। च। अपरजायेत्यपर-जाय। च। नमः। मध्यमाय।  
च। अपगल्भायेत्यप-गल्भाय। च। नमः। जघन्याय।  
च। बुध्नियाय। च। नमः। सोभ्याय। च। प्रतिसूर्यायेति  
प्रति-सूर्याय। च। नमः। याम्याय। च। क्षेम्याय। च।

नमः। उ॒र्व॒र्या॑य। च। ख॒ल्या॑य। च। नमः। श्लो॒क्या॑य।  
 च। अ॒व॒सा॒न्या॑येत्य॒व॒सा॒न्या॑य। च। नमः। व॒न्या॑य। च।  
 क॒क्ष्या॑य। च। नमः। श्र॒वा॑य। च। प्र॒ति॒श्र॒वा॑येति॒ प्रति॒-श्र॒वा॑य।  
 च। (१३)

नमः। आ॒शु॒षे॑णा॒येत्या॒शु॒से॒ना॑य। च। आ॒शु॒र॒था॑येत्या॒शु॒र॒था॑य।  
 च। नमः। शू॒रा॑य। च। अ॒व॒भि॒न्द॒त इत्य॑व॒भि॒न्द॒ते। च। नमः।  
 व॒र्मि॑णे। च। व॒रू॒थि॑ने। च। नमः। बि॒ल्मि॑ने। च। क॒व॒चि॑ने।  
 च। नमः। श्रु॒ता॑य। च। श्रु॒त॒से॒ना॑येति॒ श्रु॒त॒से॒ना॑य। च॥ (१४)  
 नमः। दु॒न्दु॒भ्या॑य। च। आ॒ह॒न॒न्या॑येत्या॒ह॒न॒न्या॑य। च। नमः।  
 धृ॒ष्ण॒वे। च। प्र॒मृ॒शा॑येति॒ प्र॒मृ॒शा॑य। च। नमः। दू॒ता॑य। च।  
 प्र॒हि॒ता॑येति॒ प्र॒हि॒ता॑य। च। नमः। नि॒ष॒ङ्गि॑ण॒ इति॑ नि॒स॒ङ्गि॑ने।  
 च। इ॒षु॒धि॑म॒त इती॑षु॒धि॑-म॒ते। च। नमः। ती॒क्ष्णेष॑व॒ इति॑  
 ती॒क्ष्ण॒-इ॒ष॒वे। च। आ॒यु॒धि॑ने। च। नमः। स्वा॒यु॒धा॑येति॒ सु॒-  
 आ॒यु॒धा॑य। च। सु॒ध॒न्व॑न॒ इति॑ सु॒ध॒न्व॑ने। च। नमः। सु॒त्या॑य।  
 च। प॒थ्या॑य। च। नमः। का॒ट्या॑य। च। नी॒प्या॑य। च। नमः।  
 सू॒द्या॑य। च। स॒र॒स्या॑य। च। नमः। ना॒द्या॑य। च। वै॒श॒न्ता॑य।  
 च। (१५)

नमः। कू॒प्या॑य। च। अ॒व॒ट्या॑य। च। नमः। व॒र्ष्या॑य। च।  
 अ॒व॒र्ष्या॑य। च। नमः। मे॒घ्या॑य। च। वि॒द्यु॒त्या॑येति॒ वि॒द्यु॒त्या॑य।  
 च। नमः। ई॒ध्रि॑या॑य। च। आ॒त॒प्या॑येत्या॒त॒प्या॑य। च। नमः।  
 वा॒त्या॑य। च। रे॒ष्मि॑या॑य। च। नमः। वा॒स्त॒व्या॑य। च।

वा॒स्तु॒पा॒येति॑ वा॒स्तु-पा॒य। च॥(१६)

नमः॑। सो॒मा॒य। च। रु॒द्रा॒य। च। नमः॑। ता॒म्रा॒य। च। अ॒रु॒णा॒य।  
 च। नमः॑। श॒ङ्गा॒य। च। प॒शु॒प॒त॒य॒ इति॑ प॒शु-प॒त॒ये। च।  
 नमः॑। उ॒ग्रा॒य। च। भी॒मा॒य। च। नमः॑। अ॒ग्रे॒व॒धा॒येत्य॑ग्रे-व॒धा॒य।  
 च। दू॒रे॒व॒धा॒येति॑ दू॒रे-व॒धा॒य। च। नमः॑। ह॒न्त्रे। च। ह॒नी॒य॒से।  
 च। नमः॑। वृ॒क्षे॒भ्यः। ह॒रि॒केशे॒भ्य॒ इति॑ ह॒रि॒-केशे॒भ्यः। नमः॑।  
 ता॒रा॒य। नमः॑। श॒म्भ॒व॒ इति॑ श॒म्-भ॒वै। च। म॒यो॒भ॒व॒ इति॑ म॒यः-  
 भ॒वै। च। नमः॑। श॒ङ्क॒रा॒येति॑ श॒म्-क॒रा॒य। च। म॒य॒स्क॒रा॒येति॑  
 म॒यः-क॒रा॒य। च। नमः॑। शि॒वा॒य। च। शि॒व॒त॒रा॒येति॑ शि॒व-  
 त॒रा॒य। च। (१७)

नमः॑। ती॒र्था॒य। च। कू॒ल्या॒य। च। नमः॑। पा॒र्या॒य।  
 च। अ॒वा॒र्या॒य। च। नमः॑। प्र॒त॒र॒णा॒येति॑ प्र-त॒र॒णा॒य।  
 च। उ॒त्त॒र॒णा॒येत्यु॒त्-त॒र॒णा॒य। च। नमः॑। आ॒ता॒र्या॒येत्या॑-  
 ता॒र्या॒य। च। आ॒ला॒द्या॒येत्या॑-ला॒द्या॒य। च। नमः॑। श॒ष्या॒य।  
 च। फे॒न्या॒य। च। नमः॑। सि॒क॒त्या॒य। च। प्र॒वा॒ह्या॒येति॑  
 प्र-वा॒ह्या॒य। च॥(१८)

नमः॑। इ॒रि॒ण्या॒य। च। प्र॒प॒थ्या॒येति॑ प्र-प॒थ्या॒य। च। नमः॑।  
 कि॒॒शिला॒य। च। क्ष॒य॒णा॒य। च। नमः॑। क॒प॒र्दि॒नै। च।  
 पु॒ल॒स्त॒यै। च। नमः॑। गो॒ष्ठा॒येति॑ गो-स्थ्या॒य। च। गृ॒ह्या॒य।  
 च। नमः॑। त॒ल्प्या॒य। च। गे॒ह्या॒य। च। नमः॑। का॒ट्या॒य।  
 च। गृ॒ह्मे॒ष्टा॒येति॑ गृ॒ह्मे-स्था॒य। च। नमः॑। हृ॒द॒य्या॒य। च।